

FORM NO. III

फर्द अहकाम  
(नियम 20)

अज अदालत -उपखण्ड अधिकरी एवं पदेन सहायक कलक्टर, नावां जिला डीडवाना-कुचामन राजस्थान

मुमलकंवर पुत्री हनुमानसिंह ना.बा.  
जरिये संरक्षक कुदरतीवली माता ममता कंवर  
सा. टोडास तह. कुचामन

बनाम

हणमानसिंह उर्फ हनुमानसिंह पुत्र  
उम्मेदसिंह जाति राजपूत वगै.  
सा. टोडास तह. कुचामन

किस्म मुकदमां : 212 आरटीए

मुकदमा नम्बर 0126/2024

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुआ
18.03.2024	<p>प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री सुरेन्द्र सेवर ने यह प्रार्थना पत्र पेश किया है। प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाता है। पत्रावली एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। जिससे प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थी के हक में प्रतीत होता है।</p> <p>अतः अप्रार्थीगण के जवाब प्रस्तुत करने तक अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि राजस्व ग्राम टोडास के खसरा नम्बर 514, 515, 516, 518 कुल रकबा 9.87 हैक्टर एवं खसरा नम्बर 519 रकबा 4.63 हैक्टर, खसरा नम्बर 526 रकबा 1.0634 हैक्टर भूमि में अप्रार्थी संख्या 1 व 2 किसी प्रकार का बैचान/हस्तानांतरण/रहन नहीं करें तथा मौके व राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे। अप्रार्थी संख्या 3, 4 अप्रार्थी संख्या 1 व 2 द्वारा प्रस्तुत उक्त दस्तावेजात को पंजीयन हेतु स्वीकार नहीं करे तथा अप्रार्थी संख्या 5 उक्त भूमि की राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखें। रास्ते/प्रचलित रास्ते के प्रावधान में यह अस्थाई निषेधाज्ञा लागू नहीं होगी। इस आशय की अप्रार्थीगण के विरुद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा जारी हो। इस बाबत अप्रार्थीगण को आपत्ति हो तो नियत तिथि को असालतन/वकालतन इस न्यायालय में उपस्थित होकर वजह जाहिर करें। अप्रार्थीगण को जरिये पंजीकृत डाक नोटिस जारी होकर पत्रावली दिनांक 22.04.2024 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">(विश्वामित्र मीना) उपखण्ड अधिकारी, नावां</p>	
26/3/24	<p>पत्रावली Adv. प्रार्थीया द्वारा प्रेषित प्रस्तुत काने पर आज पेन डूडी Adv. प्रार्थीया ने प्रेषित पेन कर निवेदन किया कि हम पक्ष-कारान के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा हो गया है इसलिए उक्त पत्रावली को जरिये विद्रोह खारिज किया जावे।</p> <p>अतः प्रार्थीया के अधिवक्ता के निवेदन पर पत्रावली का आज ही तलब कर प्रार्थीया का प्रार्थना-पत्र जरिये विद्रोह खारिज किया जाता है पत्रावली के माल बुमार लेकर नम्बर से कम हो व दाखिल दर्ज़ा हो</p>	